CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 08 | अंक 22 | बुधवार | 20 मई 2020 | ₹1

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री से बनें आत्मनिर्भर

एजुकेशन मंत्रा

अब पढ़ाई स्कूल भवनों के इतर ऑनलाइन माध्यमों से घर पर किए जाने का ट्रेंड बढ़ रहा है...

PAGE 06



PAGE 10



रास्ते और भी

खुद को स्थापित करने में जुटे छात्रों के लिए पॉलिटेक्निक एक बेहतर विकल्प है...

लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन लर्निंग प्रक्रिया ने गति पकड़ी है। ऐसे में आप अपने कौशल को बढ़ाने में बेहतर ढंग से सक्षम हो सकते हैं...

महामारी के दौरान ऑनलाइन स्किल ट्रेनिंग

कैसे चुनें सही डिजिटल प्लेटफॉर्म



परिस्थिति चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हो निरंतर शिक्षा आपको हर स्थिति में प्रासंगिक बनाये रखने में मदद करती है। यहां तक कि कोरोनावायरस के इस कठिन समय में भी हमें अपने संबंधित क्षेत्रों के बारे में अपडेट (अद्यतित) रहने की जरूरत है। लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान ऑनलाइन लर्निंग प्रक्रिया ने गति पकड़ी है। इसके कारण हम अपने कौशल को बढ़ाने में सक्षम हो सके हैं। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में सही विकल्प का चुनाव करना बहुत महत्वपूर्ण कार्य है।

बहुत अधिक पुरानी बात नहीं है, कि कुछ गिने-चुने ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म ही उपलब्ध थे और छात्रों के पास कॉलेज कैंपस जाने के अलावा कोई अन्य विकल्प मौजूद नहीं था। उनके अध्ययन कार्यक्रमों का एक हिस्सा होने का मतलब भारी पाठ्यक्रम शुल्क के अलावा रहन-सहन के लिए खर्च वहन करना था। यह देखा गया है कि अधिकांश लोग कोर्स (पाठ्यक्रम) लेने के बाद पहले महीने में जो कुछ भी सीखते हैं उसका 90% भूल जाते हैं। ऐसा तब है जब विश्वविद्यालयों ने ई-लर्निंग पर भी अपना ध्यान केंद्रित कर दिया है।

पिछले कुछ वर्षों में, बड़ी संख्या में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किए गए और उन्हें बहुत अधिक फॉलोवर भी मिले हैं। इन एमओओसीएस (मैसिव ऑनलाइन ओपेन कोर्स-वेयर - बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ओपन कोर्स-वेयर) के माध्यम से, छात्र अपने घर से ही मुफ्त में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों से पाठ्य-सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। तो, आप अपने लिए सर्वश्रेष्ठ ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म कैसे चुन सकते हैं? यहां कुछ बातें बताईं गई हैं जो आपके लिए मददगार हैं:



डॉ. नरेंद्र श्यामसुख
फाउंडर एंड चेयरमैन, आईसीए एडू स्किल्स

लघु अवधि के पाठ्यक्रम

चूंकि इंटरनेट पर बहुत सारे विकल्प मौजूद हैं जो आपको विचलित कर सकते हैं, ऐसे में इस तरह के पाठ्यक्रमों की तलाश करने की कोशिश करें, जो लघु पाठ्यक्रम प्रारूपों पर आधारित हों, जहां कंटेंट की व्याख्या 2-3 मिनट में की गई हो। इससे बेहतर समझ बनाने में मदद मिलती है और आसानी से कोर्स पूरा होने में भी मदद मिलती है।

कंटेंट अधिक प्रैक्टिकल (व्यावहारिक) होना चाहिए

थियरी (सिद्धांत) पृष्ठभूमि को समझने में मदद करता है लेकिन व्यावहारिक, गैर-शैक्षणिक ज्ञान कौशल का विकास करने के लिए जरूरी है। जब आप फील्ड में जाते हैं, तो व्यावहारिक ज्ञान ही मायने रखता है। कभी-कभी, आपको विषय के पीछे के सिद्धांत पर ध्यान देना बंद कर देना चाहिए।

प्लेटफॉर्म सरल होना चाहिए

इसे ऐसे डिजाइन और कार्यान्वित किया जाना चाहिए कि यह उपयोगकर्ता को एक सरल और आसान ब्राउजिंग का अनुभव दे, हमें खराब कनेक्टिविटी को भी ध्यान में रखना चाहिए। जैसे कि उपयोगकर्ता के यूट्यूब चैनल पर वीडियों होते हैं ठीक उसी तरह साइटों पर अधिक से अधिक वीडियो होने चाहिए, और ऑनलाइन फार्म भर सकें जैसे कि वे किसी सामान्य वेबसाइट पर देखते हैं।

ऑनलाइन बिजनेस कोर्सों की लाइब्रेरी

उपयोगकर्ता के पास व्यापक व्यावसायिक कौशल को शामिल करने वाले ऑनलाइन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की एक लाइब्रेरी होनी चाहिए ताकि आप उस कौशल को विकसित कर सकें जो उस समय उनके लिए अधिक जरूरी हो। यह "जस्ट इन टाइल लर्निंग" उस कंटेंट को एक्सेस करने की अनुमति देता है जब उसकी आवश्यकता होती है और उस पाठ को सीखने के तुरंत बाद लागू किया जा सकता हो।

दूसरों से बात करें

जैसा कि सभी जानते हैं ऑनलाइन पाठ्यक्रम महंगे हैं, ऐसे में बेहतर होगा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति से परामर्श करें जो पहले से ही इस माध्यम से गुजर चुके हों, या वर्तमान में इस तरह की सुविधा का फायदा उठा रहे हों। इससे इस बात की अधिक संभावना है कि आपको वास्तविक उससे जुड़ी कमियां या फायदे सुनने को मिलेंगीं, जिसका अनुभव केवल उस व्यक्ति को हुआ हो। इसके अलावा, वे उसकी वास्तविक स्थिति की जानकारी दे सकते हैं जिनकी उम्मीद आप उनसे करते हों।

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री से

वाहनों का रखरखाव, उनका स्वरूप, रंग आदि का खास महत्व है। ऐसे में जरूरत होती है ऐसे व्यक्ति की, जो इन कार्यों को कराने का सही दिशा-निर्देश दे सके। यही ऑटोमोबाइल इंजीनियर कहलाता है...



डॉ. जयंतीलाल भंडारी
लेखक व करियर मार्गदर्शक



हाल ही में प्रकाशित एक नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, जिस तेजी से हमारा देश ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में अपनी पैठ बना रहा है, उसे देखते हुए वर्ष 2050 तक भारत में सं.रा. अमेरिका से अधिक कारें हो जाएंगी तथा विश्व की हर छठी कार भारतीयों की होगी। इसका सीधा असर वाहनों के प्रोडक्शन पर पड़ेगा तथा रोजगार के चमकीले अवसर उत्पन्न होंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का योगदान लगातार बढ़ रहा है। दिन-प्रतिदिन आने वाले नए मॉडलों, रखरखाव तथा बढ़ते स्टेटस सिंबल के मद्देनजर लोगों का रूझान ऑटोमोबाइल की तरफ बढने लगा है। इसका अर्थ है कि आने वाले कुछ वर्षों में यह इंडस्ट्री रोजगार देने वाली प्रमुख इंडस्ट्री बन जाएगी, क्योंकि भारी मात्रा में प्रशिक्षित लोगों की जरूरत पड़ेगी। डिजाइनिंग, रखरखाव, मार्केटिंग आदि में हजारों व्यक्तियों के लिए रोजगार की संभावनाएं उत्पन्न हो जाएंगी। इसके साथ ही भारतीय मध्यम वर्ग का विकास, बढ़ती क्रय शक्ति के कारण वैश्विक ऑटोमोबाइल कंपनियों के तेजी से भारतीय बाजार में आने के कारण रोजगार के चमकीले अवसर उत्पन्न होंगे।

इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारत में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने पिछले कुछ वर्षों में असाधारण वृद्धि दर्ज करते हुए देश के सबसे बड़े उद्योगों में से एक बनने का गौरव प्राप्त किया है तथा यह क्षेत्र देश में समग्र औद्योगिक विकास का योगदान बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। वर्तमान में भारत के अंदर दो पहिया वाहनों के विश्व के दूसरे सबसे बड़े विनिर्माता, वाणिज्यिक वाहनों के 5वें सबसे बड़े निर्माता और सबसे बड़े मोटर साइकिल निर्माताओं की उपस्थिति है। भारत एशिया के कार बाजारों में चौथा सबसे बड़ा यात्री कार बाजार रखता है। यकीनन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का मुख्य घटक है। यह देश के तीव्र आर्थिक और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों से इसके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष गहरे संबंधों के कारण ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का मजबूत और सकारात्मक गुणक प्रभाव है और इस प्रकार यह उद्योग राष्ट्र की प्रगति को आगे बढ़ाता है।

वर्तमान समय की भागमभाग वाली जिंदगी में मोटर वाहन प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गए हैं। लम्बी दूरियां तय करते वाहनों का सैलाब आज शहर ही नहीं गांव में भी बढ़ता जा रहा है। बड़ी संख्या में मोटर वाहन सम्पन्नता और आवश्यकता दोनों का ही प्रतीक बन गए हैं। ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में ऑटो मोबाइल और ऑटो संघटक क्षेत्रक शामिल हैं। इसमें सवारी कार, हल्के मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन, बहुउपयोगी वाहन जैसे कि जीप, स्कूटर, मोटर साइकिल, तिपहिया, ट्रेक्टर आदि शामिल हैं और ऑटो संघटक जैसे ईंधन के पुर्जे, ड्राइव और ट्रांसमिशन के पुर्जे, सस्पेंशन और ब्रेकिंग पार्ट्स,

बनें आत्मनिर्भर



इलेक्ट्रिक, बॉडी और चेसीस के पाट्र्स आदि हैं। गौरतलब है कि वाहनों का रखरखाव, उनका स्वरूप, रंग आदि विशेष रूप से महत्व रखते हैं। यहीं से आवश्यकता होती है ऐसे व्यक्ति की, जो इन कार्यों को कराने का सही दिशा निर्देश दे सके। यह व्यक्ति मैकेनिक नहीं होता है, मगर उच्च शिक्षा लिए उन सभी बातों की जानकारी रखता है। यही ऑटोमोबाइल इंजीनियर कहलाता है।

नए बदलते हुए परिवेश में कस्टमर की मांग के अनुरूप डिजाइनर कार एवं वाहनों के चलन ने तो इस शाखा का महत्व और भी बढ़ा दिया है। देश में न केवल स्वदेशी अपितु विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियों ने भी अपनी साख बनाए रखने के लिए अपने वाहनों में नए परिवर्तन, नए स्वरूप और पूरी गुणवत्ता के साथ मॉडल्स प्रस्तुत किए हैं। इनके लिए ऑटोमोबाइल मेन्युफेक्चरिंग कंपनियों ने अनुसंधान एवं विकास यानी रिसर्च एवं डेवलपमेंट विंग स्थापित की है। जाहिर है यह महत्वपूर्ण कार्य, क्षेत्र विशेष का जानकार व्यक्ति ही कर सकता है। ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग की इस उभरती शाखा का आधार ऑटोमोबाइल इंजीनियर ही होता है। यकीनन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में किस्मत आजमाने वाले छात्रों को मानसिक रूप से दृढ़ तथा परिश्रमी होना आवश्यक है, क्योंकि एक ही प्रोजेक्ट एवं डिजाइन पर लगातार कई दिनों तक काम करना पड़ सकता है। इसके साथ ही उसे क्रिएटिव होना पड़ता है, ताकि नई-नई थीम एवं आइडियाज ईजाद कर सकें।

हमारे देश में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश बारहवीं के बाद मिलता है। बारहवीं में गणित समूह होना आवश्यक है। जहां एक ओर डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं, वहीं दूसरी ओर डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम भी देश में उपलब्ध हैं। यों तो ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में बीई पाठ्यक्रम श्रेष्ठां है, मगर डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। ध्यातत्य है कि तीन वर्षीय डिप्लोमा स्तर का ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम करने के उपरांत आप इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित की जाने वाली एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा में शामिल होकर इंजीनियरिंग डिग्री के समकक्ष डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में डिग्री धारकों को प्रारंभ में 20 से 25 हजार रुपए प्रतिमाह तथा डिप्लोमाधारकों को 10 से 15 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते हैं। अनुभव बढऩे के साथ-साथ यह वेतन भी तेजी से बढ़ता जाता है। ऑटोमोबाइल भले ही इंजीनियरिंग की पुरानी शाखा हो, मगर उससे जुड़ी नई से नई विधाएं रोजगार के अपार अवसर प्रदान करती हैं। जमाना डिजाइनर्स ट्रेंड का है, तो कार या बाइक क्यों पीछे रहें। आजकर विदेशों में ही नहीं, भारत में भी डिजाइनर कार या बाइक का चलन जोर-शोर से प्रारंभ हो गया है। इसमें कारों एंवं अन्य वाहनों को मनचाहा रंग दिया जा सकता है या कई रंगों का समावेश किया जा सकता है। यही नहीं, वाहनों को आकर्षक बनाते हुए मनचाहे आकार भी दिए जा सकते हैं। यानी कार या बाइक वही फिर भी लगे बिलकुल नई एवं विशिष्ट। चूंकि डिजाइनर बाइक या कार पैसे वालों की पसंद है इसलिए यहां मुंह-मांगा धन मिलता है। इसी प्रकार बड़े-बड़े कार या बाइक निर्माता भी अपने नए उत्पाद के बाह्यां आकार और आंतरिक साज-सज्जा को अब बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, इसलिए वह ऐसे ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की तलाश में रहते हैं जो बहुत क्रिएटिव हों। यानी उनमें कार या बाइक को नए सृजन का जामा पहनाने, कल्पना की खूबसूरत उड़ान भरने का माद्दा हो। इसके लिए निर्माता के रिसर्च एंड डेवलपमेंट विंग होते हैं।

उल्लेखनीय है कि आकर्षक वेतन और हर संभव सुविधा देकर ऑटोमोबाइल कंपनी अपने लिए उपयोगी, काबिल ऑटोमोबाइल इंजीनियर रखती हैं और कार या वाहन का प्रभावी मॉडल तैयार कराती हैं। यह मॉडल बाजार पसंद की मांग बन जाते हैं और भारी मात्रा में बिकते हैं। अब जो ऑटोमोबाइल इंजीनियर ऑटोमोबाइल कंपनी को वाहनों के निर्माण के जितने आकर्षक आइडियाज देगा, जाहिर है कि कंपनी उसका वेतन उतना ही ज्यादा बढ़ाएगी ताकि वह कंपनी में बना रहे और दूसरी कंपनी में न जाए। चूंकि हर ऑटो निर्माता कंपनी ऐसे काबिल इंजीनियर की तलाश में रहती है और उसे अपनी ओर खींचने के लिए हरसंभव प्रयास करती है। ऐसा आकर्षण केवल देश में ही नहीं, विदेश में भी है। इस तरह से एक बार विदेशी कंपनी में पहुंचे नहीं कि रास्ते और भी ज्यादा खुल जाते हैं। जब आप विभिन्न कंपनियों में लम्बा अनुभव प्राप्त कर लेते हैं तो एक लाभ यह भी है कि ऋण की व्यवस्था कर आप स्वरोजगार भी प्रारंभ कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

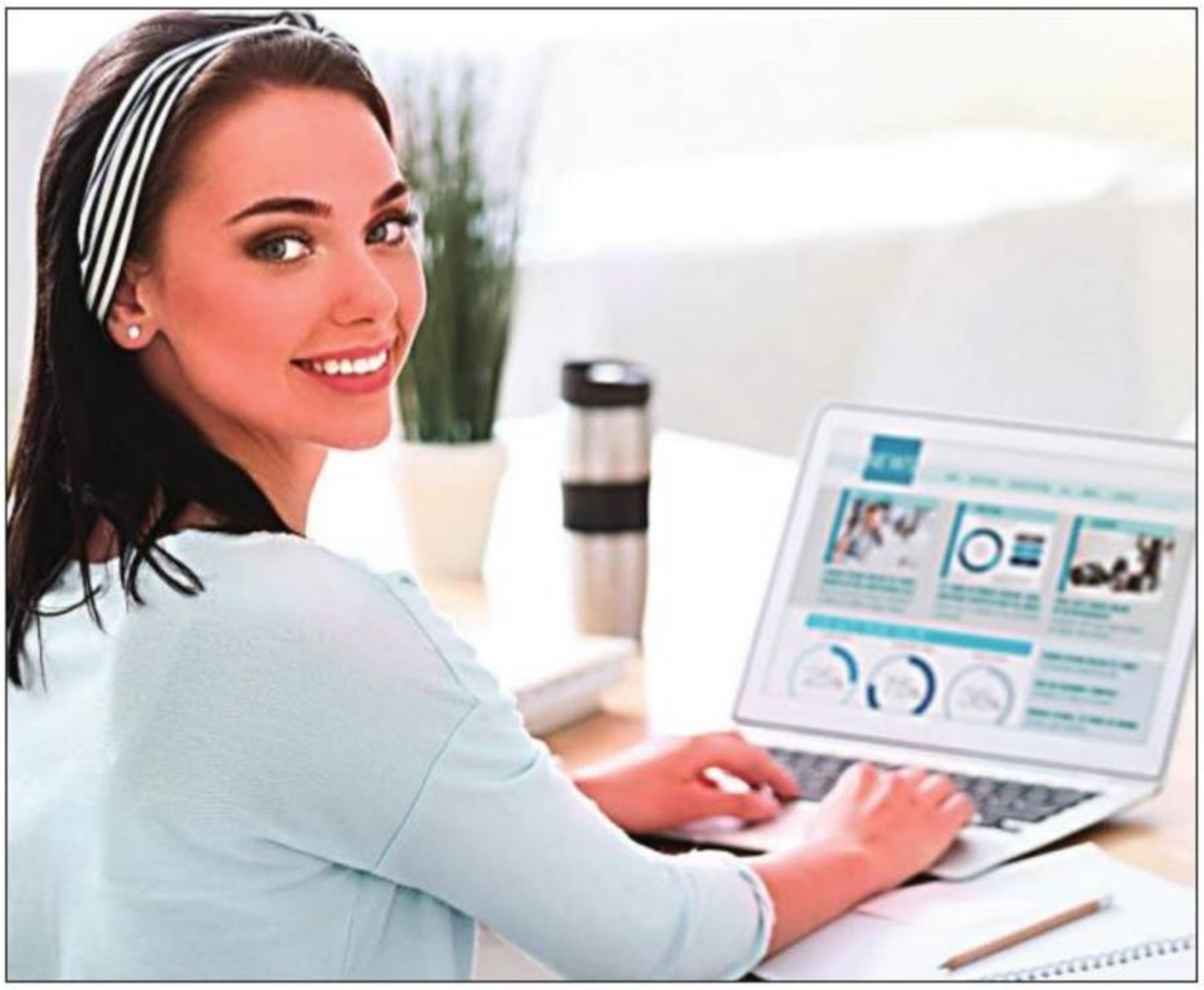
- इंस्टीट्यूट ऑफ रोड एंड ट्रांसपोर्ट टेक्नोलॉजी, इरोड, तमिलनाडु
- जीबी पंत पॉलीटेक्निक, ओखला, दिल्ली
- पूसा पॉलीटेक्निक, पूसा कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली
- गुरु तेग बहादुर पॉलीटेक्निक, वसंत विहार, नई दिल्ली
- मलंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, हासन, कर्नाटक
- हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा
- एम.एच. साबू सिद्धिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, 8 शैफर्ड रोड, मुंबई

मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर पर जो पाठ इंटरनेट के जरिये प्राप्त होते हैं, वे केवल छपे-छपाये नोट्स न होकर चलते-फिरते छायाचित्रों और एनीमेशन ग्राफिक चित्रों से भी लैस होते हैं...

ऑनलाइन शिक्षा

टूट रही हैं सरहदें

आज महामारी के इस दौर में शिक्षक और छात्र दोनों की परिस्थितियां बदल चुकी हैं। लॉकडाउन के चलते अब शिक्षा स्कूल भवनों के इतर ऑनलाइन माध्यमों से घर पर किए जाने के ट्रेंड से सरावोर है। डिजिटल होती दुनिया में यह एक आसान माध्यम भी उभर कर सामने आया है। बुनियादी शिक्षा से लेकर उच्चस्तरीय तकीनीकी एजुकेशनल प्रोग्राम भी इस माध्यम से उपलब्ध कराये जा रहे हैं ।



खूबियां और लाभ

हर उम्र के छात्र जो पढ़ाई करना तो चाहते हैं, लेकिन लॉकडाउन के कारण स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद होने से अध्ययन सामग्री और गाइडेंस को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षा हर किसी के लिए बेहतरीन माध्यम बनकर आई है। फ्लोरिडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय मियामी के कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रोवोस्ट मार्क रोजेनबर्ग अपनी पुस्तक *'ई-लर्निंगः स्ट्रैटिजी फॉर डिलिवरिंग नॉलेज इन द डिजिटल एज'* में कहते हैं कि ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थी लगातार शिक्षक के संपर्क में रह सकते हैं और शिक्षक से मन में सवाल उत्पन्न होते ही मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। इस माध्यम ने रोजगार और गाइडेंस के लिए एक असीमित मंच प्रदान किया है।

मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर से पर पाठ इंटरनेट के जरिये प्राप्त होते हैं, वे भी सिर्फ छपे-छपाये नोट्स न होकर चलते-फिरते छायाचित्रों और एनीमेशन ग्राफिक चित्रों से भी लैस होते हैं।

अमेरिका में इलिनॉयस विश्वविद्यालय के एक एसोसिएट प्रोफेसर का मानना है कि 'हर संस्थान के पास हर विषय के विशेषज्ञ नहीं होते हैं, जबकि ऑनलाइन शिक्षा में यह दिक्कत नहीं रहती है। भारत में ही शिक्षा से जुड़े कई विशेषज्ञ मानते हैं कि ''शिक्षा के स्रोत के तौर पर क्लास रूम के एकाधिकार के दिन अब लद गए हैं। इस समय कई साइटें तरह-तरह की डिग्रीयों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई, और कोचिंग करवा रही हैं। ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था के तहत संबंधित संस्थान से दाखिले के बाद हर विद्यार्थी को एक लॉगिन आईडी और पासवर्ड मिलता है। इसके जरिये छात्र वेबसाइट की अध्ययन सामग्री तक पहुंच सकता है। और इसी के सहारे वह ऑनलाइन परीक्षा भी दे सकता है। ये विद्यार्थी संस्थान के नियमित प्राध्यापकों से भी ई-मेल या चैट के जरिये सलाह और मार्गदर्शन ले सकते हैं।

नई तकनीक के साथ चलना है जरूरी

भारी भरकम बस्ते और ढेर सारी किताबों के साथ स्कूल जाना अब बीते दिनों की बात हो गई है। वह दिन अब गुजर चुके हैं, जब स्कूलों में किताबों द्वारा बच्चों को पढ़ाया जाता था। और शिक्षक अपनी बातों को समझाने के लिए ब्लैकबोर्ड का इस्तेमाल करते थे। इन सब पारम्परिक चीजों को पीछे छोड़ते हुए अब ज्यादातर स्कूलों में डिजिटल शिक्षण और अन्य डिजिटल पद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है। यहां पर एक सवाल यह उठता है की पारम्परिक शिक्षा के बीच शुरू हो रही डिजिटल शिक्षा से बच्चों को लाभ कैसे मिलता है? तो इस सवाल के जवाब में हमें कई तर्क दिए जाते हैं। मसलन पहला तर्क है, संवादात्मक।

डिजिटल शिक्षा के जरिए कक्षाओं का शिक्षण अधिक मजेदार और संवादात्मक बनाया जा रहा है। जिससे बच्चे इस पर अधिक से अधिक ध्यान दे। जिसके लिए वह न केवल इसे सुने बल्कि इसे स्क्रीन पर देखे भी। जिससे उनकी नई नई चीजे सीखने की क्षमता में काफी इजाफा भी हो रहा है।

अगर आपके इरादे मजबूत हैं और पर्सनेलिटी आकर्षक,तो आप बतौर एयर होस्टेस अपना करियर चुन सकती हैं...



एयर होस्टेस बन करें सपने साकार

बचपन में किसी प्लेन को उड़ते हुए देखकर हम सबने कभी न कभी उसके साथ दौड़ अवश्य लगाई होगी और बहुतों ने उस दौड़ के साथ-साथ उड़ने का भी सपना संजोया होगा। अगर आप भी विश्व भर मे घूमने का शौक रखती है और आप के मन में भी आकाश मे उड़ने की ख्वाहिश है तो आपको एयर होस्टेस की जॉब के बारे में जरूर सोचना चाहिए। अगर आपके ईरादे मजबूत हैं और आप अपनी पर्सनेलिटी को आकर्षिक बनाना चाहती है, तो आप बतौर एयर होस्टेस अपना करियर चुन सकते हैं।

नेचर ऑफ वर्क : एयर होस्टेस की कुछ जिम्मेदारियां हैं, जैसे इन-छ्राइट घोषणाएं और अंतर-विभाग समन्वय का ध्यान रखना। एयर होस्टेस की जिम्मेदारी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना। यात्रियों की मदद करना, उन्हें अपने सामान, सीटें आदि के साथ सहायता करना, यात्रियों को भोजन उपलब्धे कराना, यात्रियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं को बताने के साथ आपातकालीन या संकट के समय यात्रियों की सहायता करना वगैरह वगैरह है।

जरुरी स्किल्स : एक सफल एयर होस्टेस बनने के लिए आकर्षक व्यक्तित्व के साथ फिजिकली फिट होना जरूरी है ताकि आप घंटों तक चेहरे पर मुस्कान लिए कार्य कर सकें। साथ ही विभिन्न भाषाओं का ज्ञान, प्लीजेंट वॉइस व गुड कम्युनिकेशन स्किल भी होनी जरूरी है। वहीं टीम भावना, सिस्टेमेटिक अप्रोच, प्रेजेंस ऑफ माइंड, पॉजिटिव एटीटयूड व सेंस ऑफ ह्यूमर आपके काम को और भी आसान बना देगी। एक एयर होस्टेस को हर प्रकार के यात्रियों व विपरीत परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में आपको हर प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए सिर्फ शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी तैयार होना आवश्यक है। ध्यान रखें कि यह आवश्यक नहीं कि आप सिर्फ देखने में सुंदर हैं तभी एयर होस्टेस बन सकती हैं। अगर आप हवाई यात्रियों के सफर को खुशगवार बनाने के साथ–साथ अपने स्वभाव में सौम्यता रखती हैं तो इस क्षेत्र के दरवाजे आपके लिए खुले हैं।

योग्यता : एक एयर होस्टेस बनने के लिए सिर्फ आपका शैक्षणिक रूप से योग्य होना ही पर्याप्त नहीं है। दरअसल, एयर होस्टेस बनने के लिए कुछ मानक निर्धारित किए गए हैं। जहां शैक्षणिक योग्यताओं में एयर होस्टेस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए आपका किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं होना चाहिए। इन कोर्सेस में दाखिला 12वी के आधार पर होता है। इसके लिए आपकी उम्र कम से कम 18 होनी चाहिए तथा आपकी हाइट कम से कम 5 फुट 2 इंच होनी चाहिए। यह सभी योग्यता आपको कोर्स मे दाखिला दिलवा कर आपके सपने को साकार कर सकती है।

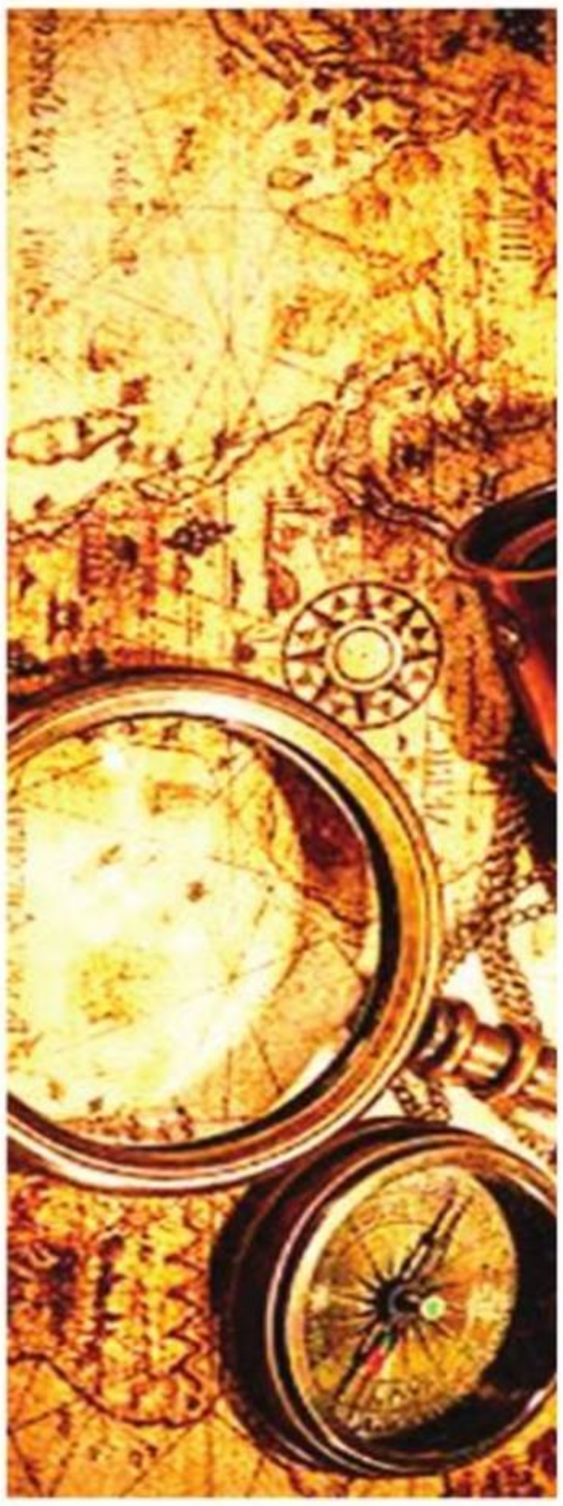
कहां-कहां हैं संभावनाएं : इस क्षेत्र में आप डोमेस्टिक से लेकर इंटरनेशनल व प्राइवेट एयरलाइंस में भी बतौर एयरहोस्टेस जॉब पा सकती हैं। एक एयर होस्टेस के रूप मे बतोर काम करने के बाद आप प्रोमोट होकर बतौर सीनियर फलाइट अटेंडेंट या हेड अटेंडेड के रूप में काम कर सकती हैं। आप चाहें तो बाद में बतौर ग्राउंड एयरहोस्टेस, चेक एयरहोस्टेस या फिर मैनेजमेंट लेवल पर भी काम कर सकती हैं।

आमदनी : आमतौर पर इंटरनेशनल एयरलाइंस की एयर होस्टेस की सैलरी डोमेस्टिक एयरलाइंस की एयर होस्टेस से कहीं अधिक होती है। फिर भी एक डोमेस्टिक एयरलाइंस में एयर होस्टेस की शुरूआती सैलरी 25 से 40 हजार रुपये होती है। वहीं सीनियर पोजिशन पर यह 50 हजार से लेकर लाखों में हो सकती है। प्राइवेट एयरलाइंस तो दो लाख प्रतिमाह की सैलरी भी ऑफर करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- फ्लाइंग क्वीन एयर होस्टेस एकेडमी, नई दिल्ली www.flyingqueen.in
- विंग्स एयर होस्टेस एंड हॉस्पिटैलिटी ट्रेनिंग, वड़ोदरा, गुजरात www.wingsinstitute.com
- टीएमआई एकेडमी ऑफ ट्रेवल टूरिज्म एंड एविएशन स्टडीज, मुंबई www.tmiacademy.com
- एयर होस्टेस एकेडमी, बैंगलुरू, कर्नाटक www.airhostessacademy.com
- यूनिवर्सल एविएशन एकेडमी, चेन्नई, तमिलनाडु www.uniaviation.com





अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

अमर उजाला ज्ञान

1. औरंगजेब द्वारा संकलित इस्लामी कानून के बृहत्तम सार-संग्रह का नाम क्या है?
(CISF Exam - 2019)
(a) फतवा-ए-आलमगीरी
(b) फतवा-ए-जहांदारी
(c) मिराज-ए-मुगल
(d) फतह-ए- सलतन
जवाब: (a) फतवा-ए-आलमगीरी
व्याख्या: "(a) फतवा-ए-आलमगीरी" एक ऐतिहासिक कृति है, जो मुग़ल बादशाह औरंगज़ेब के शासन काल में विधिवेत्ताओं के एक दल द्वारा तैयार की गई थी। यह कृति मुस्लिम क़ानूनों का अत्यन्त प्रामाणिक एवं विस्तृत सार संग्रह माना जाता है।

2. निम्नलिखित में से कौन सी कंपनी भारतीय क्रिकेट टीम की आधिकारिक प्रायोजक है? (UPSSSC Junior Assistant Exam -2020)
(a) सहारा
(b) वोडाफोन
(c) रिलायंस
(d) पेटीएम
जवाब: (d) पेटीएम
व्याख्या: पेटीएम ने अगस्त 2019 में अगले 5 सालों यानी 2023 तक भारतीय क्रिकेट टीम के अंतरराष्ट्रीय और घरेलु मैचों के प्रायोजन अधिकार हासिल किए हैं। पेटीएम की मालिक 'वन 97 कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड' ने यह अधिकार प्रत्येक मैच की 3.80 करोड़ रुपए की बोली लगाकर हासिल किए। पेटीएम वर्ष 2015 से ही टीम इंडिया का प्रायोजक है। ऑनलाइन पेमेंट एप से जुड़ी कंपनी पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय शेखर वर्मा हैं।

3. वर्ल्ड पुलिस एंड फयर गेम्स 2019 निम्नलिखित में से किस देश में आयोजित किए गए थे? (UPSSSC Junior Assistant Exam -2020)
(a) रूस
(b) चीन
(c) डेनमार्क
(d) इजरायल
जवाब: (b) चीन
व्याख्या: वर्ल्ड पुलिस एंड फयर गेम्स एक वैश्विक खेल स्पर्धा है, इसका आयोजन प्रत्येक दो वर्ष बाद किया जाता है। 2019 में इसका आयोजन 8-18 अगस्त, 2019 के बीच चीन के चेंग्दू में किया गया। इस इवेंट में 70 से अधिक देशों के एथलीट्स ने 60 इवेंट्स में हिस्सा लिया। इस खेल स्पर्धा में दमकलकर्मी, पुलिस अफसर, इत्यादि विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मचारी हिस्सा लेते हैं। इस वर्ष वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में 10,000 एथलीट्स ने हिस्सा लिया। 2021 में वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स का आयोजन नीदरलैंड्स के रॉटरडैम में किया जायेगा। CISF के कर्मचारियों ने भारत का प्रतिनिधत्व विभिन्न इवेंट्स में किया। भारत ने "वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स" में कुल 10 पदक जीते, इसमें पांच स्वर्ण, तीन रजत तथा दो कांस्य पदक जीते।

4. वह गैस जो धान के खेत से उत्सर्जित होती है तथा भूमि के तापमान में वृद्धि करती है, वह है-
(UPSC Pre Exam 2019)
(a) नाइट्रोजन
(b) कार्बन डाई ऑक्साइड
(c) कार्बन मोनो ऑक्साइड
(d) मिथेन
जवाब: (d) मिथेन
व्याख्या: धान के खेतों में प्रायः मिथेन गैस उत्सर्जित होती है। चूंकि मीथेन एक ग्रीन हाउस गैस है इसलिए यह गैस भूमि के तापमान को बढ़ाने में भी योगदान करती है।

5. साबुन के द्वारा सतहों को साफ करने का सिद्धांत आधारित है?
(NDA Exam-2019)
(a) श्यानता पर
(b) प्लवन पर
(c) प्रत्यास्थता पर
(d) पृष्ठ तनाव पर
जवाब: (d) पृष्ठ तनाव पर
व्याख्या: साबुन के द्वारा सतहों को साफ करना पृष्ठ तनाव के सिद्धांत पर आधारित है। द्रव के स्वतंत्र पृष्ठ में कम-से-कम क्षेत्रफल प्राप्त करने की प्रवृत्ति होती है, जिनके कारण उसका पृष्ठ सदैव तनाव की स्थिति में रहता है। इसे ही पृष्ठ तनाव कहते हैं।

6. NCC का अदर्श- वाक्य निम्नलिखित में सो कौन-सा है? (CDS Exam-2019)

(a) एकता और अनुशासन
(b) एकता और सत्यनिष्ठा
(c) एकता और प्रभुता
(d) एकता और सेवा

जवाब: (a) एकता और अनुशासन

व्याख्या: NCC का अदर्श वाक्य "एकता और अनुशासन" है। 1948 के कश्मीर युद्ध ने भारत को यह महत्वपूर्ण सबक दिया कि देश की आजादी की रक्षा के लिए एक मजबूत सैन्य बल की जरूरत है इसलिए 16 अप्रैल, 1948 को गवर्नर जनरल की अनुमति मिलने के बाद संसद के एक अधिनियम के तहत NCC अर्थात राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम, 1948 बनाया गया और 15 जुलाई, 1948 को स्वंतत्र भारत के राष्ट्रीय कैडेट कोर का शुभारंभ किया गया।

7. सौ प्रतिशत सौर ऊर्जा पर चलने वाला भारत वर्ष का पहला केंद्र शासित प्रदेश है (UPSC Pre Exam 2019)

(a) अण्डमान-निकोरबार
(b) चंडीगढ
(c) दीव
(d) पुडुचेरी

जवाब: दीव

व्याख्या: अक्षय ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की ओर कदम बढ़ाते हुए केंद्र शासित प्रदेश दीव सौर ऊर्जा से 100 प्रतिशत चलने वाला देश का पहला यूनियन टेरिटरी बन गया है। इस प्रदेश को यह दर्जा वर्ष 2018 में प्राप्त हुआ।

8. विश्व मानवीय दिवस (वर्ल्ड ह्युमेनिटेरियन डे) कब मनाया जाता है? (NDA Exam-2019)

(a) 26 जून
(b) 17 जुलाई
(c) 19 अगस्त
(d) 27 सितंबर

जवाब: (c) 19 अगस्त

व्याख्या: विश्व मानवतावादी दिवस प्रत्येक वर्ष 19 अगस्त को मानाया जाता है। इस दिवस को मनाये जाने का उद्देश्य यह है कि इसके जरिये उन मानवीय कर्मियों को उचित सम्मान दिया जा सके, जिन्होंने मानव मात्र की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया। यह दिन मानवता के ऐसे सेवकों को समर्पित है, जिन्होंने मानवता की सेवा करते हुए अपनी जान की भी परवाह नहीं की।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा विभाग गृह मंत्रालय के अधीन नहीं है?(CDS Exam-2019)

(a) राजभाषा विभाग
(b) सीमा प्रबंधन विभाग
(c) जम्मू एवं कश्मीर विभाग
(d) विधि कार्य विभाग

जवाब: (d) विधि कार्य विभाग

व्याख्या: गृह मंत्रालय विभिन्न प्रकार के दायित्वों का निर्वहन करता है जिनमें देश की आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, केंद्र-राज्य संबंध, संघ राज्य क्षेत्रों का प्रशासन, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का प्रबंधन, आपदा प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण हैं। दिए गए विकल्पों में विधि कार्य विभाग गृह मंत्रालय के अधीन नहीं आता। अन्य सभी विभाग गृहमंत्रालय के अधीन आते हैं।

10. निम्नलिखित में से किस प्रत्यक्ष लाभ योजना को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा विश्व की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ योजना माना गया है? (UPSC Pre Exam- 2019)

(a) मनरेगा
(b) पहल
(c) एनएसएपी
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

जवाब: (b) पहल

व्याख्या: जनवरी 2015 से डायरेक्टर एलपीजी सिलेंडर से जुड़ी बेनीफिट ट्रांसफर स्कीम (पहल) एक योजना है जिससे रसोई गैस पर मिलने वाली सब्सिडी के पैसे सीधे लोगों के खाते में पहुंचते हैं। इस योजना को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा विश्व की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ योजना माना गया है।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कैल्सियम कार्बोनेट लवण को प्रदर्शित नहीं करता है? (NDA Exam-2019)

(a) चूने का पानी
(b) चूना पत्थर
(c) खड़िया
(d) संगमरमर

जवाब: (d) संगमरमर

व्याख्या: दिए गए विकल्पों में से संगमरमर को छोड़कर अन्य सारे विकल्प कैल्सियम कार्बोनेट लवण को प्रदर्शित करते हैं।

महिंद्र इकोले सेंट्राले के स्टूडेंट्स ने तैयार किया कोविड-19 ट्रैकर, हर जिले का मिलेगा हाल



महिंद्र इकोले सेंट्राले कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स ने कोविड 19 का लाइव ट्रैकर तैयार किया है। इससे देश भर में कोरोना से संक्रमित लोगों की जानकारी हासिल की जा सकती है। इस वेबसाइट पर जिले के आधार पर जानकारी उपलब्ध है। इस वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारियां स्वास्थ्य मंत्रालय सहित दूसरे भरोसेमंद स्रोतों पर आधारित हैं। हैदराबाद स्थित महिंद्रा इकोले सेंट्राले कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स की एक टीम वेरिफिकेशन और व्यापक रिसर्च के बाद इस वेबसाइट पर जानकारियां अपलोड करती हैं। संभवतः यह कोरोना से जुड़ा अपनी तरह का पहला लाइव ट्रैकर है। वेबसाइट पर जाने के लिए आप यहां https://covidindia.netlify.com को क्लिक कर सकते हैं। इस वेबसाइट से उन लोगों को काफी मदद मिलेगी, जिन्हें कामकाज के सिलसिले में एक जगह से दूसरी जगह जाना पड़ता है। महिंद्रा इकोले सेंट्राले इस वेबसाइट को बतौर एप भी स्मार्टफोन पर डाउनलोड किया जा सकता है।

आजकल कोर्स पूरा करने के साथ-साथ स्टूडेंट्स टेक्निकल रूप से भी खुद को स्थापित करने में जुटे हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स के लिए पॉलिटेक्निक सुनहरा अवसर लेकर आया है....

इंजीनियरिंग

डिप्लोमा कोर्स में भी मौके



दसवीं और बारहवीं पास करने के बाद टेक्निकल कोर्स में ऐडमिशन लेने के इच्छुक स्टूडेंट्स के लिए पॉलिटेक्निक एक बेहतर विकल्प हो सकता है। वैसे, आज के जॉब मार्केट में पॉलिटेक्निक कोर्स कर चुके स्टूडेंट्स की जबरदस्त डिमांड है। आइए जानते हैं, पॉलिटेक्निक में कैसे लिया जा सकता है एडमिशन और क्या हैं इस कोर्स को करने के फायदे। स्कूल की दुनिया से बाहर निकलते ही हर साल हजारों स्टूडेंट्स इंजीनियर बनने का सपना देखने लगते हैं, लेकिन एक ओर जहां स्टूडेंट्स महंगी फीस और अच्छे अंक नहीं आने की वजह से प्रतिस्थित संस्थानों में इंजिनियरिंग की पढ़ाई का सपना पूरा नहीं कर पाते हैं। वहीं, दूसरी ओर आजकल कोर्स पूरा करने के साथ-साथ टेक्निकल रूप से भी स्टूडेंट्स खुद को स्थापित करने में जूटे हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स के लिए पॉलिटेक्निक सुनहरा अवसर लेकर आता है, जहां दोनों चीजें मुहैया हो जाती है। एम.ई.आई. पॉलिटेक्निक इंस्टिट्यूट-बेंगलुरु, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक-मुंबई, ए.पी.सी.रॉय पॉलिटेक्निक-कोलकाता जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों के अलावा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश सहित देश भर के सभी राज्यों में ऐसे संस्थान संचालित हैं।

डिग्री के लिए भी है मौका

पॉलिटेक्निक या डिप्लोमा कोर्स करने के बाद लेटरल एंट्री के रास्ते आप बी.टेक. स्नातक की डिग्री 2 वर्ष में हासिल कर सकते हैं। आप बी.टेक. में उसी विषय पर अध्ययन कर सकते हैं जो आपने पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कोर्स में चुना था। इसमें ध्यान देने वाली बात यह है कि बी.टेक या बी.ई. कोर्स करने के लिए डिप्लोमा कोर्स 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

अवसर

पॉलिटैक्निक करने के बाद सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मिलते हैं। भारतीय रेलवे, इंडियन आर्मी, एअरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, विद्युत विभाग, पर्यटन मंत्रालय आदि से जुड़े विभिन्न संस्थानों में आप अपना भविष्य संवार सकते हैं। इसके अलावा NTPC एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, पॉवरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया, इंडियन आयल, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम, BHEL भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बी.एच.ई.एल.), साथ ही निजी संस्थान मसलन एच.सी.एल., मारुती सुजुकी, टाटा मोटर्स, इनफोसिस आदि में पालिटेक्निक प्रशिक्षुओं की काफी मांग रहती है। युवा अपनी शैक्षणिक योग्यता और क्षमता के अनुरूप जॉब प्रोफाइल बना सकते हैं।

वेतनमान

इन सभी जगहों पर शुरुआती तौर पर कम वेतनमान के साथ शुरुआत करनी पड़ती है लेकिन प्रमोशन की सम्भावना को देखते हुए बहुत जल्दी ही इसमें 5 लाख से 6 लाख तक वार्षिक वेतनमान हो सकता है। अगर नौकरी किसी मल्टीनेशनल कंपनी में लग जाती है तो व्यक्ति अपनी मेहनत और लगन से प्रोन्नति भी करता है और अच्छा वेतनमान भी पा सकता है।

INITIATIVE

म.प्र. व झारखंड में शिक्षा नवाचार

कोविड-19 के कारण हर शहर, गांव, गली, मोहल्ले में लॉकडाउन की स्थिति है। ऐसे में झारखंड व म.प्र. सरकारें ग्रामीण बच्चों की शिक्षा में निरंतरता हेतु तेजी से कदम उठा रही हैं। DigiSath और DigiLEP कार्यक्रम के तहत विभिन्न संचार माध्यमों का इस्तेमाल कर, बच्चों तक पाठ्य सामग्री पहुंचाई जा रही है। इनके अंतर्गत दोनों राज्यों में 4 लाख अध्यापक 10 लाख बच्चों को व्हाट्स ऐप, कॉल, व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पढ़ा रहे हैं। सिर्फ इंटरनेट ही नहीं, रेडियो व टीवी का भी उचित उपयोग हो रहा है। म.प्र. में विविध भारती पर प्रतिदिन दोपहर 11 से 12 बजे रेडियो स्कूल कार्यक्रम का प्रसार होता है। लोकल केबल व दूरदर्शन पर भी शैक्षिक कार्यकर्मों का प्रसारण हो रहा है। इनसे न सिर्फ बच्चों की ज्ञान वृद्धि हो रही है बल्कि तकनीकी कौशल का भी विकास हो रहा है।

पिछले दो वर्षों से राज्य सरकारें नीति आयोग, पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप, व बॉस्टन कंसल्टेंसी ग्रुप के साथ मिलकर SATH-E कार्यक्रम चला रही हैं जिसके अंतर्गत शिक्षा में विभिन्न नवाचार हुए हैं। SATH-E के तहत बच्चों के मूलभूत कौशल पर ध्यान केंद्रित करते हुए, शिक्षा विभाग ने कक्षा 1 से 9 की पाठन सामग्री को उन्नत किया और डिजिटल सामग्री का निर्माण किया है। यही सामग्री लॉकडाउन के दौरान शिक्षकों के लिए जीवनरक्षक की भूमिका निभा रही है। इसके अतिरिक्त, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट, क्षमता संवर्धन, और शिक्षकों के टेक साक्षरता प्रशिक्षण के साथ ये राज्यगत वर्षों में शिक्षा में नवाचार कर रहे हैं।

पिछले तीन वर्षों में झारखंड में 4500 प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल और मध्य प्रदेश में 5000 स्कूलों को उच्चस्तर के स्कूल में विलय या अपग्रेड किया गया। इससे विद्यार्थियों के बीच संसाधनों और शिक्षकों का समान वितरण हो रहा है। प्रति शिक्षक छात्रों की संख्या भी बराबर हो रही है। पेरेंट्स टीचर्स मीटिंग्स ने समुदाय और विद्यालय के बीच के संबंधों को भी मजबूत किया है। यही समुदाय विद्यालय सम्बन्ध लॉकडाउन के दौरान डिजिटल शिक्षा को सुचारु रूप से चलाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। माता पिता बच्चों की शिक्षा में बढ़ चढ़कर साथ दे रहे हैं।

अमर उजाला उड़ान

PERSONALITY

आर्ट और साहित्य के महारथी



विनय विक्रम सिंह
क्रिएटिव आर्ट डायरेक्टर व कवि

पेशे से क्रिएटिव आर्ट डायरेक्टर विनय विक्रम सिंह को जहां आर्ट से करियर में सफलता मिली, तो वहीं लोक कविताओं के चलते खासी लोकप्रियता हासिल हुई। इन दोनों विधाओं पर अधिकार पाने के लिए उन्होंने बचपन से ही अध्ययन, अभ्यास व कड़ी मेहनत की है...

विनय विक्रम सिंह उन बिरले कलात्मक व्यक्तियों में से हैं, जिन्होंने कैनवास व कागज दोनों पर सिद्धि पाई है। कैनवास पर जहां उन्होंने भावों व भंगिमाओं को विविध रूप में उकेरा है तो वहीं कागज पर उन भावों का बयान भी दर्ज किया है। पेशे से क्रिएटिव आर्ट डायरेक्टर सिंह को आर्ट से करियर में सफलता मिली, तो लोक कवितायें के चलते खासी लोकप्रियता। इन दोनों विधाओं पर अधिकार पाने के लिए उन्होंने बचपन से ही अध्ययन, अभ्यास व कड़ी मेहनत की। जीवन के आरंभिक दिनों को याद करते हुए वे बताते हैं कि जब गर्मियों में लोग घरों में आराम करते होते थे, तो जेब में कंचों की छन-छन लिये विनय अनुपयोगी वस्तुयें इकट्ठा करते और फिर उनसे, कार, बोट, हाथी और जाने क्या-क्या बनाते। वे क्लास में कॉपियों के पीछे के पन्नों पर, मित्रों की मांग पर सुपरहीरो बना - बना कर देते थे, वह हर आर्ट्स कम्पटीशन में अधिकांशतः प्रथम ही आये। उन्हें कक्षा 6 में प्रदेश स्तरीय कला प्रतियोगिता में तत्कालीन राज्यपाल श्री मोतीलाल वोरा द्वारा प्रथम आने पर सम्मानित किया गया था। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा भी रूचि के अनुरूप ही कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स से BFA in commercial arts में पूरी की। और इसमें ही करियर भी बनाया। विनय को क्रिएटिव आर्ट के क्षेत्र में दर्जन भर पुरस्कार मिल चुके हैं। हालांकि उनके घर में माहौल साहित्यिक था और इसलिए वह इससे अछूते नहीं रह पाए। उनके पिता श्री राम समुझ सिंह जी रिजर्व बैंक की लाइब्रेरी से एक से एक उपन्यास लाते रहते थे और विनय उन्हें फटाफट पढ़कर लौटाते रहते। पिता जी के कई साहित्यकार के आने से साहित्यिक चर्चा आदि होती ही रहती थी, और श्री राम समुझ सिंह स्वयं भी बहुत अच्छी कवितायें लिखते थे। विनय ने शुरू में तो अपने भावों को छंदमुक्त रचा लेकिन जल्द ही उन्हें लोकगीतों के छंदों पर लिखने का विचार आया और उन्होंने इसकी शुरुआत कर दी। छंदाधारित लेखन 2018 से प्रारम्भ किया, और शीघ्र ही छन्द को आत्मसात कर छन्द अनुपालित सृजन करने लगे। दोहा, सोरठा, चौपाई, आल्हा आदि व पारम्परिक छन्दों में लेखन के अतिरिक्त लोक गीत (अवधी), छन्द आधारित अवधी काव्य आदि में स्वयं की अभिव्यक्ति करते रहते हैं। वे कहते हैं, 'एक तरह की रचना या विधा न अपनाकर मैं प्रयोगधर्मिता को अपना मूल स्वभाव मानता हूं, इसी कारण कुछ नए छन्द भी मेरे द्वारा रचे गए।' विनय मूलतः तो आध्यात्म (निर्गुण) और मानव के औचित्य पर लिखते हैं, पर सामयिक व देशप्रेम भी उनके काव्य कैनवास में सहजता से अभिव्यक्ति पाते हैं, ये भी कभी विशुद्ध हिन्दी में हो सकती है तो कभी उर्दू मिश्रित हिंदुस्तानी तो कभी बैसवारी अवधी में। वह कहते हैं कि लोक काव्य खासतौर से अवध प्रान्त में हालात बेहद चिंताजनक प्रतीत होते हैं, एक तरफ जहां भोजपुरी अपनी पकड़ जनमानस पर बढ़ाने में कामयाब रही है और भाषा अनुसूची में दर्ज हो चुकी है, वहीं अवधी की हालत खस्ता है, हालांकि सरकार ने कई योजनाओं को लागू किया है, जिसमें देशज भाषायी रचनाकारों को उत्साहित करने हेतु कई प्रावधान हैं, पर लाल फीताशाही यहां हावी है। जो भी हो, विनय ने बदलते दौर में भी उन विधाओं को जीवन देने का प्रयास किया है, जो हाशिये पर चली गईं थीं। एक युवा कवि व आर्टिस्ट के रूप में उन्होंने इससे जो लोकप्रियता अर्जित की है, वह प्रेरणाप्रद है।

- डॉ. अरुण प्रकाश

महामारी और मंदी

की चपेट में महाशक्ति



यूएस राष्ट्रपति ने आर्थिक कार्य पुनः शुरू करने पर दिया जोर...

वैश्विक महामारी कोविड-19 से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में संक्रमण से 90 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 15 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में ढाई लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं। अमेरिका का न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के तीन लाख से अधिक मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि 28 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक कोरोना संक्रमण के एक लाख से अधिक मामले सामने आए हैं जबकि 10 हजार से अधिक लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। इसके अलावा मैसाचुसेट्स, मिशीगन, इलिनॉयस, कैलिफोर्निया, लूजियाना और पेंसिल्वेनिया जैसे प्रांत भी कोविड-19 का प्रकोप झेल रहे हैं।

3 खरब अमेरिकी डॉलर का उधार

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने घोषणा की है कि ट्रेजरी को अप्रैल से जून तक निजी स्वामित्व से शुद्ध विपणन-योग्य ऋण के तौर पर 2.999 खरब अमेरिकी डॉलर उधार लेने की उम्मीद है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि वह कोविड -19 के संकट में अर्थव्यवस्था की सहायता करने के लिए दूसरी तिमाही में लगभग 3 खरब अमरीकी डॉलर का उधार लेगा। यह मान लिया गया है कि जून महीने के अंत में नकदी शेष 800 अमेरिकी डॉलर होगा। इसके अतिरिक्त तीसरी तिमाही में 677 अरब डॉलर का एक और ऋण लिया जा सकता है।

प्रमुख तथ्य:

- वाणिज्य विभाग की इस रिपोर्ट के बाद ऋण लेने में वृद्धि हुई है कि, अमरीका के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (यूएस रियल जीडीपी) में कोविड -19 के कारण, पहली तिमाही में 4.8 प्रतिशत की वार्षिक दर से गिरावट आई है। वर्ष 2008 के वित्तीय संकट के बाद से यह सबसे बड़ी तिमाही गिरावट है।
- मौजूदा संकट और इसका मुकाबला करने के लिए कानून के प्रयासों के कारण, डॉलर में ऋण और घाटे के पहले से कहीं अधिक और जीडीपी के हिस्से के रूप में बहुत अधिक बढ़ने की उम्मीद है।
- वर्ष 2020 में अमरीका की जनता के द्वारा लिए गए ऋण सहित अमरीकी बजट घाटा 3.8 खरब अमरीकी डॉलर से अधिक हो जाएगा जो वित्तीय वर्ष 2020 के अंत तक अर्थव्यवस्था के आकार से भी अधिक हो जाएगा।
- वर्ष 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद से अमरीकी राष्ट्रीय ऋण 20 खरब अमरीकी डॉलर से बढ़कर 24 खरब डॉलर तक हो गया है।
- कोविड -19 प्रकोप के बढ़ते प्रभाव के कारण निजी स्वामित्व के शुद्ध ऋण में वृद्धि हुई है। ऋण लेने में इस वृद्धि का श्रेय व्यक्तियों और व्यवसायों की सहायता के लिए नए कानून से व्यय को भी दिया जा सकता है।
- कर प्राप्तियों में भी बदलाव हुए हैं, जिसमें अप्रैल-जून और जुलाई से निजी और व्यावसायिक करों का आस्थगन शामिल है। विभाग के अनुसार, यह अनुमान है कि, जून के अंत में खजाने में नकदी शेष में अनुमानित वृद्धि भी ऋण में वृद्धि का एक कारण है।

WEEKLY DAIRY



13 मई

विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने यह घोषणा की है कि भारत ने दो स्थान की प्रगति की हैं और वैश्विक ऊर्जा संक्रमण सूचकांक में 74वें स्थान पर आ गया है। भारत ने अपनी बेहतर रैंकिंग के साथ, आर्थिक सुरक्षा, आर्थिक विकास और पर्यावरण स्थिरता के प्रमुख मापदंडों में सुधार दिखाया है।



14 मई

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने अप्रैल, 2020 के लिए डब्ल्यूपीआई जारी किया है। कोविड-19 के कारण अप्रैल, 2020 में थोक बाजार में उत्पादों के सीमित लेन-देन के मद्देनजर डब्ल्यूपीआई के चुनिंदा समूहों की कीमतों पर निर्णय लिया।



15 मई

घरेलू रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अत्याधुनिक परीक्षण अवसंरचना का निर्माण करने के लिए 400 करोड़ रुपये की डिफेंस टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम (डीटीआईएस) को शुरू करने की मंजूरी प्रदान की। यह योजना 5 वर्षों के लिए होगी।

खेल



केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि 18 मई से स्टेडियम खोले जा सकते हैं। लेकिन दर्शकों को अंदर जाने की अनुमति अभी नहीं मिलेगी। यह व्यवस्था लॉकडाउन 4.0 यानी 31 मई तक चलेगी।

■ जर्मनी में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के बीच दो महीने बाद खाली स्टेडियम में फुटबॉल की वापसी हुई। यह लॉकडाउन के बाद शुरू होने वाली पहली यूरोपीय लीग बन गई। विश्वभर के खेल प्रेमियों की निगाहें बुंदेसलीगा मुकाबले देखने पर गड़ी रही, जिसमें बोरूसिया डॉर्टमंड ने शाल्के को 4-0 से हराया।

■ फुटबॉल इंटरनेशनल फेडरेशन एसोसिएशन (फीफा) ने भारत में पहली बार होने वाले अंडर-17 महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप की नई तारीखें तय कर दी हैं। यह टूर्नामेंट 17 फरवरी से 7 मार्च 2021 के बीच खेला जाएगा।

नियुक्ति



मनोज आहूजा को सीबीएसई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मनोज आहूजा ओडिशा कैडर के आईएएस हैं जिनको सीबीएसई बोर्ड का नया अध्यक्ष बनाया गया है। आहूजा वर्तमान में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में विशेष निदेशक हैं।मनोज आहूजा ने सीबीएसई के पूर्व चेयरमैन अनीता करवाल के स्थान पर पद ग्रहण किया है। अनीता करवाल ने अब मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव के पद पर नियुक्ति ली है। मनोज आहूजा ओडिशा कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

निधन



■ इजरायल में चीनी राजदूत डु वेई की 17 मई 2020 को आक्समिक मौत हो गई। इसके बाद चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने इसकी स्वतंत्र जांच का ऐलान किया है। चीन की सरकार ने एक चीनी जांच दल इजरायल के तेल अवीव भेजा है। इसके साथ ही जांच टीम डु वेई को चीन में दफनाने के लिए वापस लाने का इंतजाम भी करेगा। उल्लेखनीय है कि इजरायली शहर तेल अवीव में चीनी राजदूत अपने आवास में मृतक अवस्था में पाए गए थे। इजरायल विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि भी की थी।

■ गृहस्थ संत देवप्रभाकर शास्त्री 'दद्दाजी' का 17 मई 2020 को निधन हो गया। अपने जीवन के 60 वर्ष उन्होंने गृहस्थ संत के रूप में बिताए, जो कि सनातन संस्कृति के इतिहास में दुर्लभ हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत स्वायत्त संस्थानों चूर्णिक धातु कर्म एवं नई सामग्री यानी पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मेटीरियल्स के लिए अंतरराष्ट्रीय उन्नत शोध केंद्र(एआरसीआई) और चित्रा तिरुनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस, तिरुअनंतपुरम के वैज्ञानिकों ने संयुक रूप से मानव शरीर में इस्तेमाल होने योग्य स्वाभाविक रूप से सड़नशील धातु का इम्प्लांट बनाने के लिए लौह-मैंगनीज से युक्त उन्नत मिश्र धातु बनाया है। स्वाभाविक रूप से सड़नशील सामग्री (लौह, मैंगनीज जिंक और पॉलीमर) उपचारात्मक प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं और फिर मानव शरीर में कोई इम्प्लांट अवशेष छोड़े बिना शरीर की संरचना को बरकरार रखते हुए धीरे-धीरे नष्ट हो जाते हैं। ये सामग्री अभी इस्तेमाल हो रहे धातुओं के इम्प्लांट का बेहतर विकल्प हैं जो स्थायी रूप से मानव शरीर में पड़े रहते हैं और धीरे-धीरे विषाक्तता, स्थायी सूजन एवं फ्रोमबाउसिस जैसे साइड इफेक्ट्स का कारण बन जाते हैं।

ज्ञान की कमान

नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) इंडिया ने कोरोना स्टडीज शृंखला को क्या नाम दिया है?

■ साइको-सोशल इफेक्ट ऑफ महामारी और लॉकडाउन और हाउ टू कॉप विद

किस राज्य द्वारा जल जीवन मिशन (JJM) के तहत ग्रामीण पेयजल के लिए सेंसर आधारित सेवा वितरण निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा?

■ गुजरात

घड़ियाल, जिन्हें हाल ही में उत्तर प्रदेश में घाघरा नदी में छोड़ा गया था, किस प्रजाति के परिवार से संबंधित हैं?

■ मगरमच्छ

हाल ही में देवेश रॉय का निधन हुआ, वे किस क्षेत्र से जुड़े थे?

■ बंगाली साहित्य

सीएसआईआर- नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (एनएएल), बेंगलूरु ने कोविड-19 के लिए विकसित बीआईपीएपीनॉन इनवेसिव वेंटिलेटर को क्या नाम दिया?

■ स्वस्थ वायु

किसने कोशिकीय ऑर्गेनेल की तस्वीर तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले क्वांटम डॉट्स के संश्लेषण के लिए नयी प्रक्रिया विकसित की?

■ एआरआई ने

WEEKLYDAIRY



16 मई

अमेरिकन प्राइवेट इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक ने रिलायंस जियो में 6598 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की है। पिछले चार सप्ताह में जियो कंपनी में यह चौथा निवेश है। इससे पूर्व फेसबुक ने कंपनी की 9.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी।



17 मई

केंद्र सरकार ने लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की 5वीं किस्त में मनरेगा का बजट बढ़ाकर 40 हजार करोड़ रुपये कर दिया है और सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए आत्मनिर्भर भारत को प्रोत्साहित किया है।



18 मई

कोविड के प्रसार को देखते हुए गृह मंत्रालय, केंद्र सरकार ने लॉकडाउन को 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। इस बार राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों को नियम बनाने के लिए ज्यादा अधिकार प्रदान किए गए हैं। साथ ही केंद्र सरकार ने जोन की संख्या को तीन के स्थान पर पांच कर दिया है।

खेल



केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि 18 मई से स्टेडियम खोले जा सकते हैं। लेकिन दर्शकों को अंदर जाने की अनुमति अभी नहीं मिलेगी। यह व्यवस्था लॉकडाउन 4.0 यानी 31 मई तक चलेगी।

■ जर्मनी में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के बीच दो महीने बाद खाली स्टेडियम में फुटबॉल की वापसी हुई। यह लॉकडाउन के बाद शुरू होने वाली पहली यूरोपीय लीग बन गई। विश्वभर के खेल प्रेमियों की निगाहें बुंदेसलीगा मुकाबले देखने पर गड़ी रही, जिसमें बोरूसिया डॉर्टमंड ने शाल्के को 4-0 से हराया।

■ फुटबॉल इंटरनेशनल फेडरेशन एसोसिएशन (फीफा) ने भारत में पहली बार होने वाले अंडर-17 महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप की नई तारीखें तय कर दी हैं। यह टूर्नामेंट 17 फरवरी से 7 मार्च 2021 के बीच खेला जाएगा।

नियुक्ति



मनोज आहूजा को सीबीएसई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मनोज आहूजा ओडिशा कैडर के आईएएस हैं जिनको सीबीएसई बोर्ड का नया अध्यक्ष बनाया गया है। आहूजा वर्तमान में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में विशेष निदेशक हैं।मनोज आहूजा ने सीबीएसई के पूर्व चेयरमैन अनीता करवाल के स्थान पर पद ग्रहण किया है। अनीता करवाल ने अब मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव के पद पर नियुक्ति ली है। मनोज आहूजा ओडिशा कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

निधन



■ इजरायल में चीनी राजदूत डु वेई की 17 मई 2020 को आक्समिक मौत हो गई। इसके बाद चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने इसकी स्वतंत्र जांच का ऐलान किया है। चीन की सरकार ने एक चीनी जांच दल इजरायल के तेल अवीव भेजा है। इसके साथ ही जांच टीम डु वेई को चीन में दफनाने के लिए वापस लाने का इंतजाम भी करेगा। उल्लेखनीय है कि इजरायली शहर तेल अवीव में चीनी राजदूत अपने आवास में मृतक अवस्था में पाए गए थे। इजरायल विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि भी की थी।

■ गृहस्थ संत देवप्रभाकर शास्त्री 'दद्दाजी' का 17 मई 2020 को निधन हो गया। अपने जीवन के 60 वर्ष उन्होंने गृहस्थ संत के रूप में बिताए, जो कि सनातन संस्कृति के इतिहास में दुर्लभ हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत स्वायत्त संस्थानों चूर्णिक धातु कर्म एवं नई सामग्री यानी पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मेटीरियल्स के लिए अंतरराष्ट्रीय उन्नत शोध केंद्र(एआरसीआई) और चित्रा तिरुनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस, तिरुअनंतपुरम के वैज्ञानिकों ने संयुक रूप से मानव शरीर में इस्तेमाल होने योग्य स्वाभाविक रूप से सड़नशील धातु का इम्प्लांट बनाने के लिए लौह-मैंगनीज से युक्त उन्नत मिश्र धातु बनाया है। स्वाभाविक रूप से सड़नशील सामग्री (लौह, मैंगनीज जिंक और पॉलीमर) उपचारात्मक प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं और फिर मानव शरीर में कोई इम्प्लांट अवशेष छोड़े बिना शरीर की संरचना को बरकरार रखते हुए धीरे-धीरे नष्ट हो जाते हैं। ये सामग्री अभी इस्तेमाल हो रहे धातुओं के इम्प्लांट का बेहतर विकल्प हैं जो स्थायी रूप से मानव शरीर में पड़े रहते हैं और धीरे-धीरे विषाक्तता, स्थायी सूजन एवं फ्रोमबाउसिस जैसे साइड इफेक्ट्स का कारण बन जाते हैं।

ज्ञान की कमान

नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) इंडिया ने कोरोना स्टडीज शृंखला को क्या नाम दिया है?

■ साइको-सोशल इफेक्ट ऑफ महामारी और लॉकडाउन और हाउ टू कॉप विद

किस राज्य द्वारा जल जीवन मिशन (JJM) के तहत ग्रामीण पेयजल के लिए सेंसर आधारित सेवा वितरण निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा?

■ गुजरात

घड़ियाल, जिन्हें हाल ही में उत्तर प्रदेश में घाघरा नदी में छोड़ा गया था, किस प्रजाति के परिवार से संबंधित हैं?

■ मगरमच्छ

हाल ही में देवेश रॉय का निधन हुआ, वे किस क्षेत्र से जुड़े थे?

■ बंगाली साहित्य

सीएसआईआर- नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (एनएएल), बेंगलूरु ने कोविड-19 के लिए विकसित बीआईपीएपीनॉन इनवेसिव वेंटिलेटर को क्या नाम दिया?

■ स्वस्थ वायु

किसने कोशिकीय ऑर्गेनेल की तस्वीर तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले क्वांटम डॉट्स के संश्लेषण के लिए नयी प्रक्रिया विकसित की?

■ एआरआई ने

WEEKLYDAIRY



16 मई

अमेरिकन प्राइवेट इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक ने रिलायंस जियो में 6598 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की है। पिछले चार सप्ताह में जियो कंपनी में यह चौथा निवेश है। इससे पूर्व फेसबुक ने कंपनी की 9.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी।



17 मई

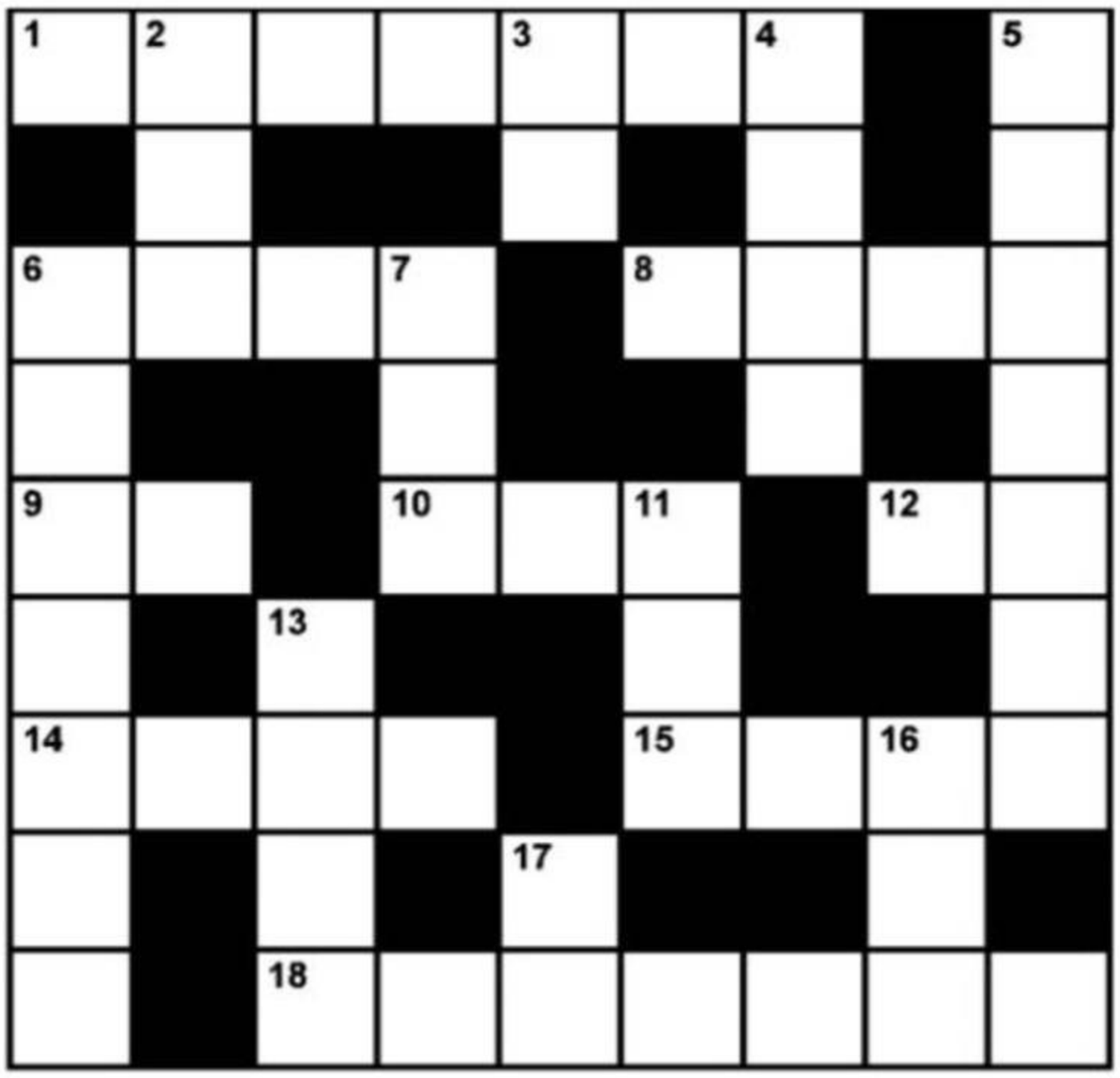
केंद्र सरकार ने लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की 5वीं किस्त में मनरेगा का बजट बढ़ाकर 40 हजार करोड़ रुपये कर दिया है और सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए आत्मनिर्भर भारत को प्रोत्साहित किया है।



18 मई

कोविड के प्रसार को देखते हुए गृह मंत्रालय, केंद्र सरकार ने लॉकडाउन को 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। इस बार राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों को नियम बनाने के लिए ज्यादा अधिकार प्रदान किए गए हैं। साथ ही केंद्र सरकार ने जोन की संख्या को तीन के स्थान पर पांच कर दिया है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0508



बाएं से दाएं: 9/37

1. 25 जनवरी 1988 को राजकोट, गुजरात में जन्मा खिलाड़ी जिसने 9 अक्तूबर 2010 को आस्ट्रेलिया के विरुद्ध टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया; (4,3)
6. 1985 में आई इस फिल्म में शक्ति सामंत ने मिथुन, नूतन को पेश किया; इधर से उधर तक; इस किनारे से उस किनारे तक (2,2)
8. महाराष्ट्र के एक तपस्वी संत; पूर्व हरफनमौला क्रिकेट खिलाड़ी ' .... सोल्कर' (4)
9. मेरा; वैयक्तिक; व्यक्तिगत; स्वकीय; स्वस्य (2)
10. 1977 में साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाले उपन्यासकार भीष्म साहनी की भारत पाक विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक रचना; कुआं; अंधकार (3)
12. धार्मिक या साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कोई बड़ी पुस्तक जिसके पन्नें पहले गांठ बांधकर रखे जाते थे; बड़ी किताब (2)
14. अन्यत्व; परायापन; भिन्नता; भेदभाव (4)
15. अत्यंत गरम; जलता हुआ; तपा हुआ; दुखी; संतप्त; पीड़ित (4)
18. 26 अगस्त 1891 को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में जन्मे उपन्यासकार जिनका 2 फरवरी 1960 को निधन हो गया; 'अमर सिंह', 'वयं रक्षामः', 'वैशाली की नगरवधू', 'सोमनाथ' के लेखक (5,2)

ऊपर से नीचे: 10/38

2. चितवन; दृष्टि; देखने का ढंग; भृकुटी; भ्रूभंग (3)
3. सेतु; माध्यम; लाक्षणिक अर्थ में, कोई ऐसी चीज, जो दो या अधिक पक्षों के बीच में रहकर उन्हें मिलाये रखती हो (2)
4. राष्ट्र के गौरव कवि; राष्ट्रीय सरकार द्वारा नामित कवि (4)
5. हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य जिन्होंने 17 वर्ष की आयु में ही काकोरी कांड में सक्रिय रूप से भाग लिया स्वतंत्र भारत में 'आजकल', 'बाल भारती' और 'योजना' नामक हिंदी पत्रिकाओं के संपादक रहे साहित्यकार (3,2,2)
6. आर्मेनिया की मुद्रा (5,2)
7. मोरक्को की राजधानी (3)
11. पास; निकट (3)
13. मोटा कपड़ा जिससे जूते बनते हैं; तैल चित्र बनाने का कपड़ा (4)
16. 2015 में आई ए आर रहमान के संगीत से सजी रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण की फिल्म; विलक्षण कार्य; मनोरंजक दृश्य;रोचक कृत्य (3)
17. विष्णु का एक नाम; कंठध्वनि; सात की संख्या; आवाज; ध्वनि (2)

- हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0507

1 गां	धी	2 न	ग	3 र	■	4 कृ	■	5 सं
■	■	का	■	म	■	6 मि	हि	र
7 म	न	ब	8 द	ल	जा	ना	■	क्षि
नी	■	■	ला	■	■	9 श	मि	त
ष	■	10 ब	ल	का	11 र	क	■	व्या
12 सि	या	र	■	■	फ्ता	■	■	पा
सो	■	13 स	र	14 दा	र	15 श	ह	र
16 दि	खा	वा	■	व	■	ह	■	■
या	■	ना	■	17 त	ट	र	क्ष	क

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN



Towards Better ENGLISH 36

What is 'Standard English'?

After King Alfred's victory over the Vikings in 878, the government of Southern England came to be established in London, which later became the capital of the whole of Britain. Because of this, the English spoken in London and the East Midlands was gradually adopted as the 'official' variety of English. And as time went by, this dialect became the standard language - the form of English generally accepted for use in government, business, education and literature. *(Source- Practical English Usage, 3rd ed.)*

Word /phrase of the week:

Pinnacle: The most successful or admired part of a system or achievement; the highest point, as of success, power, fame, etc.

- *By the age of 35 she had reached the pinnacle of her career.*
- *The Olympics represent the pinnacle of athletic achievement.*
- *This film marked the pinnacle of her acting career.*

Interesting Fact:

The largest vocabulary lesson consists of 1,644 people and was achieved by *Beehive Communication Club* (India) in Virudhunagar, India, on 16 February 2019. This event was held at K.V.S. English Medium School in a bid to help students explore the importance of vocabulary in communication. *(Guinness World Records)*

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

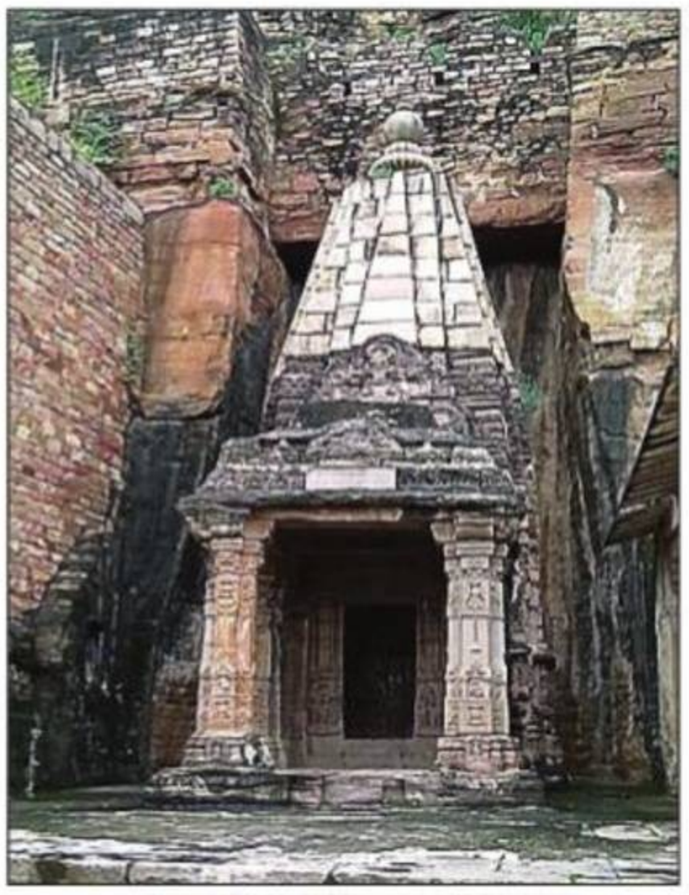
जिज्ञासा

क्या आप जानते हैं?

वैसे तो भारत में 10 के घात में बड़ी बड़ी संख्या लिखने की परम्परा वैदिक काल से रही है. ऋग्वेद में 1012 तक की बड़ी संख्या जिसे परार्ध कहा गया का उल्लेख मिलता है तो वही वाल्मीकि जी द्वारा रचित रामायण में रावण के द्वारा भेजे गये गुप्तचर शुक द्वारा युद्ध काण्ड में राम की सेना की संख्या बताने का जो उल्लेख मिलता है वो इससे बड़ी संख्या जो 1060 के बराबर है जिसे महौघ कहा गया. बौद्ध धर्म की पुस्तक ललितविस्तार में सिद्धार्थ (महात्मा बुद्ध) की शादी के समय गुरु अर्जुन द्वारा उनके गणितीय योग्यता की जांच के लिए जब 1 लाख से आगे की संख्या को 10 के घात में बताने के लिए कहा गया तो महात्मा बुद्ध ने तलक्षणा शब्द का उल्लेख किया जो 1053 के बराबर है. अब बात करते है आधुनिक काल की तो आज गणित में जो सबसे बड़ी संख्या उपलब्ध है उसे गूगोल और गूगोलप्लेक्स के नाम से जाना जाता है. गूगोल का मान 10100 के बराबर होता है और गूगोलप्लेक्स में 10 के घात गूगोल. अब कल्पना कीजिये की 1 के आगे अगर 100 शून्य लिखी जाए तो कितनी बड़ी संख्या हो सकती है. मजेदार बात ये है कि गूगोल शब्द का नामकरण एडवर्ड कासनर के 9 वर्ष के भतीजे ने किया।

अगर मैं ये कहूँ की शून्य की खोज किसने की तो आपके मुंह से अनायास ही भारतीय गणितज्ञ आर्यभट का नाम निकल पड़ेगा जैसा की कुछेक जगह दावा भी किया जाता है. पर सबसे हैरान करने वाली बात ये है की आर्यभट ने अपनी पुस्तक में ऐसा कोई दावा नही किया. इसका अर्थ साफ़ है कि हमारी अवधारणा ही गलत है और ये अफवाह या झूठा प्रचार किसने किया ये तो नही पता पर शून्य की अवधारणा तो वेदों में भी उपलब्ध है. पर यदि गणितीय शून्य की बात करें तो निश्चित रूप से आचार्य पिंगल रचित पुस्तक छंदशास्त्र में शून्य पर एक श्लोक अवश्य मौजूद है जो शून्य की परिभाषा कही जा सकती है - इसके अनुसार – एक गायत्री छंद के एक पद में 6 अक्षर मौजूद है जिसे आधा कर उसमे 1 घटाए , प्राप्त परिणाम को आधा कर उसमे 1 घटाने से शून्य प्राप्त होता है. इसे गणितीय रूप में समझना हो तो 0 = ½ {1/2× 6 – 1} - 1

शून्य के चिन्ह के संबध में माया सभ्यता में आधे खुले आँख ( ) जैसे चिन्ह के प्रयोग का दृष्टान्त मिलता है पर ये चिन्ह प्रचलित नही हो सका. इसके अलावा वक्षाली पोथी में भी शून्य के लिए एक मोटी सी काली विन्दु का प्रयोग



चतुर्भुज मंदिर ग्वालियर



राम पत्थर

किया गया था पर अगर भारत की बात करें तो शून्य का आधुनिक चिन्ह से मिलता जुलता चिन्ह 876 इसवी में ग्वालियर के किला के भीतर बने चतुर्भुज मंदिर के दीवार पर अंकित एक शिलालेख जिसे – राम पत्थर के नाम से जाना जाता है में मिलता है। आजकल यह मंदिर शून्य मन्दिर के नाम से भी जाना जाता है. इस शिलालेख पर लिखे 270 और 50 में शून्य का आधुनिक प्रयोग नजर आता है. भारत के द्वारा खोजे इस शून्य ने गणित जगत में धूम मचा दी क्योंकि अब बड़ी संख्याओं को स्थानिक मान के द्वारा लिखना आसान हो गया. पर भारतीय शून्य के महत्व को पश्चिमी देशों में 13 वी शदी तक कोई जानकारी ही नही थी. फिबोनाची ने अपनी पुस्तक अंको की पुस्तक या लिबर अबाची द्वारा भारतीय अंक प्रणाली जिसमे 0 – 9 तक के अंक के प्रयोग की महत्ता बताई, ने विश्व जगत को भारत के इस खोज का ऋणी बना दिया। -डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

वेब डवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी - एडुरूम्ज
कहां - लखनऊ
वेतन - 4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1900
आवेदन की अंतिम तिथि - 21 जून 2020

बिजनेस डवलपमेंट (सेल्स) इंटर्नशिप
कंपनी - एडुरूम्ज
कहां - लखनऊ, वाराणसी
वेतन - 2,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-1901
आवेदन की अंतिम तिथि - 21 जून 2020

ह्यूमन रिसोर्स (HR) इंटर्नशिप
कंपनी - ग्रेग्राफ टेक्नॉलॉजीस
कहां - लखनऊ, नोएडा
वेतन - 5,000-10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-1902
आवेदन की अंतिम तिथि - 21 जून 2020

कंटेंट राइटिंग इंटर्नशिप
कंपनी - आडॉक्स
कहां - लखनऊ
वेतन - 5,000-8,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-1903
आवेदन की अंतिम तिथि - 21 जून 2020

ग्राफ़िक डिजाइन इंटर्नशिप
कंपनी - वसोनोमिक्स
कहां - लखनऊ
वेतन - 2,000-4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-1904
आवेदन की अंतिम तिथि - 21 जून 2020

डिजिटल मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी - वसोनोमिक्स
कहां - लखनऊ
वेतन - 2,000-4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-1905
आवेदन की अंतिम तिथि - 21 जून 2020

ऑपरेशन्स इंटर्नशिप
कंपनी - वसोनोमिक्स
कहां - लखनऊ
वेतन - 2,000-4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-1906
आवेदन की अंतिम तिथि - 21 जून 2020



ADMISSION ALERT

दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट

कोर्स: डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी

कोर्स की अवधि: डिप्लोमा (1 वर्ष), सर्टिफिकेट (6 माह)

शैक्षणिक योग्यता: डिप्लोमा (12वीं उत्तीर्ण), सर्टिफिकेट (10वीं उत्तीर्ण)

आवेदन प्रक्रिया: वेबसाइट 'www.dpmiindia.com' से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे भरें एवं 500 रूपए का डिमांड ड्राफ्ट सलंग्न कर निर्धारित पते पर भेज दे। अथवा संस्था से 500 रूपए की राशी का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पता: बी-20, न्यू अशोक नगर, दिल्ली, 110096

टेलीफोन नंबर: +91 - 9540777001/2

आवेदन की अंतिम तिथि: 30 मई, 2020

लक्ष्य भारती इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल होटल मैनेजमेंट

कोर्स: बीएससी और एमएससी इन होटल मैनेजमेंट

कोर्स की अवधि: 3 वर्ष **शैक्षणिक योग्यता:** 12 वीं, ग्रेजुएशन

आवेदन प्रक्रिया: वेबसाइट 'www.lbiihm.com' से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे भरें एवं 500 रूपए का डिमांड ड्राफ्ट सलंग्न कर निर्धारित पते पर भेज दे। अथवा संस्था से 500 रूपए की राशी का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पता: बी -98, आउटर रिंग रोड, पुष्पांजलि एन्क्लेव, पीतमपुरा, नई दिल्ली, 110034, **टेलीफोन नंबर:** +91 - 9560895483

अवेदन की अंतिम तिथि: 30 मई, 2020

अधिक जानकारी के लिए: www.lbiihm.com

ईडब्ल्यूएस स्कॉलरशिप फॉर क्लास 10 पास स्टूडेंड्स

विवरण: बडी4स्ट्डी इंडिया फाउंडेशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित 10वीं कक्षा पास कर चुके विद्यार्थियों से इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन आमंत्रति किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य ईडब्ल्यूएस वर्ग के 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा पूरी करने के लिए आर्थिक सहायता देना है।

मानदंड: 11वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थी जिन्होंने 10वीं क्लास कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ पास की हो और उनकी पारिवारिक आय 6 लाख रुपये वार्षिक से कम हो।

इनाम/लाभ: 10 हज़ार रुपये।

अंतिम तिथि: 31 मई 2020

आवेदन कैसे करें: ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/EWS1

एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन

कोर्स:

1. पीजी डिप्लोमा इन रेडियो जॉकी एंड टीवी न्यूज रीडिंग (3 माह)
योग्यता: किसी भी विषय में स्नातक
2. मास्टर्स इन मास कम्युनिकेशन (एडवर्टाइजमेंट, जर्नलिज्म) (2 वर्ष)
योग्यता: किसी भी विषय में स्नातक
3. बीएमसी (बैचलर ऑफ मास कम्युनिकेशन) (3 वर्ष)

योग्यता: 10+2

कैसे करें आवेदन : 300 रुपय नकद अथवा दिल्ली स्थित संस्थान के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्रोस्पेक्टस और आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र को संस्थान की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

संपर्क करें: एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन एम-161/1ए, जीएल हाउस, गौतम नगर, ऑयल भवन के पीछे (निरुलाज के पीछे) नई दिल्ली-110049,
वेबसाइट: nraismc.com
फोनः 09899045628



दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग

कोर्स:

I. सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर फाइटिंग (6 माह)
योग्यता: 10वीं पास

II. सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट (1 वर्ष)
योग्यता: 10+2

III. ट्रेड डिप्लोमा इन एन्वायरन्मेंट एंड हेल्थ सेफ्टी
योग्यता: 10वीं पास

कैसे करें आवेदन : 300 रुपय नकद अथवा दिल्ली स्थित संस्थान के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्रोस्पेक्टस और आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र को संस्थान की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

संपर्क करें:
दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग
प्लाट संख्या: 975 मुंडका नई दिल्ली-110041
वेबसाइट: www.dcfse.com
फोन: 9560952952